RNI Registration Number : MPBIL/2021/82004

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 19 (पाक्षिक) इन्दौर, 1से 15 अक्टूबर 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

नागरिकों की जिंदगी बनाना और जीवन बचाना सरकार की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा है कि विकास गतिविधियों के साथ नागरिकों की जिंदगी को बनाना और उनके जीवन को बचाना सरकार की जिम्मेदारी है। नशा करने से शरीर, मन, बुद्धि और परिवार सभी को नुकसान होता है। नशे के मकड़ जाल में फँसने वाले का जीवन तबाह और बरबाद हो जाता है। समाज को नशामुक्त बनाने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश के सभी बेटे-बेटियाँ, भाई-बहन आज सब एकजुट होकर प्रदेश को नशामुक्त बनाने की प्रतिज्ञा लें। मुख्यमंत्री श्री चौहान गांधी जयंती से प्रदेश में शुरू हुए राज्य व्यापी नशामुक्ति अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपस्थित जन-समुदाय को नशामुक्त मध्यप्रदेश बनाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि सरकार और समाज मिल कर प्रदेश को नशामुक्त बनाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। हम वृक्षारोपण,लिंगानुपात, पानी बचाने और नशामुक्ति में भी देश में प्रथम स्थान पर आने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान में प्रदेश हर संभव योगदान देगा। राज्य व्यापी नशामुक्ति अभियान में प्रत्येक नगर और गाँव में नशामुक्ति के लिए जागरूकता संबंधी

गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में नशे की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए ऐसी आबकारी नीति बनाई जाएगी, जिससे शराब को प्रोत्साहन नहीं मिले और न पीने वालों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। हुक्का लॉउंज जैसी गतिविधियाँ प्रदेश की धरती पर नहीं चलेंगी। ड्रग्स और अवैध गतिविधियाँ चलाने वालों पर कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि युवा नशे की ओर जाएँ ही नहीं, इस उद्देश्य से राज्य में खेल और योग गतिविधियों का गाँव-गाँव में विस्तार किया जाएगा। राज्य शासन धर्म गुरूओं और समाज के साथ मिल कर प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए गतिविधियाँ संचालित करेगा। नशे से पीड़ित व्यक्तियों को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए कार्य कर रही संस्थाओं के साथ मिल कर प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 11 अक्टूबर को 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने प्रदेशवासियों को उज्जैन आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यदि उज्जैन नहीं आ सकें तो अपने ग्राम और नगर में ही इस भक्तिमय उत्सवीय वातावरण में अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित कर भजन-कीर्तन कर कार्यक्रम में भावनात्मक रूप से सहभागी बनें।

संघ को आतंकी संगठन साबित कर दें तो राजनीति छोड़ दूंगा-कुंवर विजय शाह

जबलपुर। कांग्रेस के कुछ नेताओं की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आतंकवादी कहे जाने पर वन मंत्री कुंवर विजय शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सोच रखने वालों को मैं प्रणाम करता हूं। वह चाहें तो किसी भी चौराहे पर बहस कर लें, मैं बता दूंगा कि उनके समर्थन से कौन-कौन से लोग आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त हैं। अगर कांग्रेस ने आरएसएस को आतंकवादी संगठन साबित कर दिया तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। मध्य प्रदेश के वन मंत्री कुंवर विजय शाह ने मंडला जाते समय अल्प प्रवास के दौरान जबलपुर में राहुल गांधी के विवाह न करने पर फिर एक बार कटाक्ष किया। उन्होंने अपने बेटे का उदाहरण देते हुए कहा कि मेरा बेटा अभी 29 साल का है, जब वह 45-50 साल का हो जाएगा और उसकी शादी नहीं होगी तो निश्चित रूप से कई तरह की बात उठेंगी। अगर वह ब्रह्मचर्य का पालन कर ले या संत बन जाए, तब तो ठीक है, अगर ऐसा नहीं करता है तो समाज की महिलाएं और अन्य लोगों में कई तरह की बात उठना शुरू हो जाती हैं।

शेर-चीता तो रोटी बनाने से रहे-कूनो में लाए गए चीतों के सामने चीतल छोड़े जाने को लेकर बिश्नोई समाज ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस पर वन मंत्री विजय शाह ने कहा कि जंगल का अपना अलग जीवन होता है। शेर-चीता तो रोटी बनाने से रहे। वाइल्ड लाइफ ही वाइल्ड लाइफ को अपना शिकार बनाते हैं।

राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि, कुर्सी के लिए हमने नहीं बदले रंग-जेपी नड्डा

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां राजनीतिक दलों की ओर से शुरू की जा चुकी है। उना जिले में भाजपा जिला कार्यालय के उद्घाटन समारोह में जेपी नड्डा पहुंचे थे। जेपी नड्डा ने इस दौरान साफ तौर पर कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सबसे पहले है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अपने बयान में नड्डा ने कहा कि राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। साथ ही साथ, अगर स्थानीय आकांक्षाओं को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य है तो वह भारतीय जनता पार्टी में है और कोई पार्टी ऐसी नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सारी पार्टियां सिकुड़ गई है, कांग्रेस सिर्फ भाई-बहन की पार्टी बनकर रह गई है।

नड्डा ने आगे कहा कि हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हैं। भाजपा विचारों से जुड़ी हुई पार्टी है, हमने कुर्सी के लिए रंग नहीं बदले। हमारा उद्देश्य है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश राष्ट्र के लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है, राष्ट्रीय ताकत को मजबूती करके चलना है। आने वाले चुनाव में फिर से यहां कमल खिलाना है और कमल को जिताना है। उन्होंने कहा कि भाजपा गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा, किसान सबके लिए काम करने वाली पार्टी है। वहीं, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पार्टी की बैठक में भी शामिल हुए।

वहीं, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने धर्मशाला में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया।

ठाकुर ने कहा कि गांधी जयंती के असवर पर उनके उस योगदान को स्मरण करता हूं जो देश के करोड़ों लोगों का आज़ादी का मंत्र बना। देश की आज़ादी के लिए उनका योगदान जिस तरह से रहा, अहिंसा अपनाकर भी हम अपनी बात को प्रभावी ढंग से मनवा सकते हैं। इस योगदान को मैं स्मरण करता हूं।

आपको बता दें कि इस साल हिमाचल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। हिमाचल प्रदेश में फिलहाल भाजपा की सरकार है। भाजपा के लिए सत्ता वापसी एक बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भाजपा नेता लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं।

शशि थरूर के घोषणा पत्र में भारत का गलत नक्शा, जम्मू-कश्मीर गायब, मांगी माफी

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर जहां एक तरफ शशि थरूर ने नामांकन पत्र भरा है, तो वहीं इस दौरान उन्होंने एक मेनिफेस्टो जारी किया जिसमें भारत का नक्शा गलत दिखाया गया, जिस पर उन्होंने अब माफी मांगी है। घोषणापत्र में जारी हुए इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर का हिस्सा गायब था। जैसे ही यह खबर फैली और आलोचनाओं ने जोर पकड़ा, थरूर ने इसमें सुधार कर लिया। शशि थरूर नें गलती मांगते हुए माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि, कोई भी जानबूझकर ऐसी चीजें नहीं करता है। वॉलेंटियर्स की एक छोटी टीम ने गलती की। हमने इसे तुरंत ठीक कर दिया। गलती के लिए मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं। दरअसल कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 3 नामांकन हुए। पहला नामांकन शशि थरूर, दूसरा नामांकन झारखंड के कांग्रेस लीडर केएन त्रिपाठी और तीसरा नॉमिनेशन मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। इसके साथ ही तय हो गया है कि अगला अध्यक्ष गैर-गांधी ही होगा।

जोबट के 15 में से नौ वार्डों में भाजपा के उम्मीदवार जीते

आलीराजपुर। नगर परिषद जोबट के चुनाव परिणाम सामने आ गए हैं। यहां परिषद पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। नगर के 15 वार्डों में से नौ में भाजपा उम्मीदवारों को जीत मिली है। तीन पर कांग्रेस और तीन पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। परिणाम सामने आते ही यहां भाजपा ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है।

वार्डवार चुनाव परिणामों में वार्ड 01 भाजपा, वार्ड 02 भाजपा, वार्ड 03 भाजपा, वार्ड 04 कांग्रेस, वार्ड 05 निर्दलीय, वार्ड 06 भाजपा, वार्ड 07 भाजपा, वार्ड 08 कांग्रेस, वार्ड 09 कांग्रेस, वार्ड 10 भाजपा, वार्ड 11 भाजपा, वार्ड 12 भाजपा, वार्ड 13 निर्दलीय, वार्ड 14 निर्दलीय, वार्ड 15 भाजपा का कब्जा रहा।

रतलाम के सैलाना नगर परिषद पर कांग्रेस का कब्जा। मतगणना में कांग्रेस के नौ, भाजपा के चार और दो निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत मिली है।

कांग्रेस-भाजपा में तगड़ा मुकाबला-झाबुआ नगर पालिका पर कब्जा करने के लिए कांग्रेस-भाजपा के बीच तगड़ा मुकाबला हो गया है। अभी तक के रुझान के अनुसार कांग्रेस 9,भाजपा 7 व निर्देलीय 2 वार्डो में आगे है। कांग्रेस की पूर्व परिषद का कार्यकाल संतोषजनक नहीं रहा लेकिन भाजपा को टिकट वितरण में हुई गलती का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

वार्ड 1 से 9 की मतगणना अब शुरू हो गई है। अभी तक का रुझान यह है कि वार्ड 15 चर्च मोहल्ले से कांग्रेस जीत गई है। वार्ड 5 लक्ष्मीबाई मार्ग से निर्देलीय घनश्याम भाटी ने बड़ी जीत दर्ज की है। वार्ड 9 भोज मार्ग में भाजपा के लाखन सोलंकी जीत गए है। वार्ड 10 बसंत कॉलोनी से भाजपा जीत गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सक्सेना पीछे रह गए।

पुनासा में भाजपा को बहुमत, पर्ची में निर्दलीय राजेश मालाकार जीते- खंडवा जिले की नवगठित पुनासा नगर परिषद पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। यहां 15 वार्ड के लिए हुए चुनाव में आठ पर भाजपा, दो पर कांग्रेस और चार सीटों पर निर्दलीय पार्षद जीते हैं। वहीं एक वार्ड में दो प्रत्याशियों को बराबर मत मिलने से इनके भाग्य का फैसला पर्ची डालकर किया गया। हरसूद में भाजपा के जीवन राठौर और निर्दलीय प्रत्याशी राजेश मालाकार को बराबर मत मिलने से पर्ची डालकर निर्णय किया गया। इसमें निर्दलीय राजेश मालाकार विजय हुए हैं। अब यहां आठ भाजपा दो कांग्रेस और पांच निर्दलीय विजयी हुए हैं। परिणामों को लेकर भाजपा खेमे में उत्साह है। यहां मांधाता विधायक नारायण पटेल की साख दांव पर थी।

कमल नाथ के गढ़ में भाजपा ने लहराया परचम

छिंदवाड़ा। जिले के 6 निकाय चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इस बार के चुनाव परिणाम उलटफेर भरे रहे है। 4 परिषदों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। जबकि 2 पर कांग्रेस को बहुमत मिला है। नगर पालिका परिषद सौसर के 15 वार्ड में से 14 पर भाजपा प्रत्याशी जीते हैं। जुन्नारदेव नगर पालिका में भाजपा ने कब्जा जमा लिया है। यहां 18 वार्डों में से 11 पर भाजपा जीती है। दमुआ में 18 वार्ड में से भाजपा ने 9 वार्ड पर कब्जा जमाया है। नगर परिषद मोहगांव में भाजपा ने बाजी मार ली है। यहां हुए चुनाव में 15 वार्डों में से 9 पर भाजपा, 6 पर कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। पांढुर्णा के 30 वार्डों में से 17 पर कांग्रेस पार्षदों ने अपनी जीत हासिल की है। इसी तरह हर्रई नगर परिषद के 15 वार्डों में 13 में कांग्रेस प्रत्याशी जीते हैं। बता दें, सभी निकायों में 27 सितंबर को वोटिंग हुई थी।

छिंदवाड़ा नगरीय निकाय चुनाव में जहा हर्रई में भाजपा का महज एक पार्षद जीता, वही सौसर में कांग्रेस जीत के लिए तरस गई। भाजपा ने 15 में से 14 वार्ड में जीत हासिल की, एक निर्दलीय ने भी भाजपा को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद धुंआधार प्रचार किया था। कमल।नाथ और नकुल नाथ ने भी प्रचार किया था। बीते दस सालो से सौसर में कांग्रेस की परिषद थी।

नगरीय निकाय चुनाव में कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। जुन्नरदेव में नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा साहू के पति रमेश साहू को हार का सामना करना पड़ा है। वही दमुआ में पूर्व मंडी उपाध्यक्ष और भाजपा नेता योगेश साहू को हार का सामना करना पड़ा। महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष उषा भमोरे को भी भाजपा से बगावत करना भारी पड़ गया।

बी.लिब. और डिप्लोमा इन न्यूट्रीशन अब खरगोन में

खरगोन। मप्र भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2022-2023 से अध्ययन केन्द्र शासकीय प.जी महाविद्यालय खरगोन को बैचलर इन लाईब्रेरी एण्ड इन्फोमेशन साईन्स और डिप्लोमा इन न्यूट्रीशन एण्ड हेल्थ ऐजुकेशन पाठ्यक्रमों को संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। पहले दोनों ही पाठ्यक्रमों मे प्रवेश के लिये विद्यार्थियों को इन्दौर आना होता था। अब दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा खरगोन मे ही मिल गई है। बी.लिब. पाठ्यक्रम मे प्रवेश के लिए पात्रता किसी भी विषय से स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिये। बी.लिब. करने के बाद विद्यार्थी आगे लाईब्रेरी के क्षेत्र मे रोजगार पा सकते है। डिप्लोमा इन न्यूट्रीशन एण्ड हेल्थ ऐजुकेशन हेतु पात्रता 12वी उत्तीर्ण होना चाहिये। इसके द्वारा विद्यार्थी आगे हेल्थ सेक्टर मे रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिये केन्द्र के नंबर 9753786111 पर संपर्क कर सकते है।

आधार संग्रहण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारी को मिला प्रशंसा पत्र

खरगोन। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आधार संग्रहण करने के लक्ष्य प्रदान किया गया। 1 अगस्त से 31 अगस्त के बीच इस कार्य को पूरा करने पर जिले के राजस्व अधिकारियों को निर्वाचन आयोग ने प्रशंसा पत्र प्रदान किए। आयोजित हुए राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्री कुमार ने कसरावद, बड़वाह और मण्डलेश्वर एसडीएम व महेश्वर तहसीलदार को प्रशंसा पत्र प्रदाय किये गए।

छुटे हुए किसानों की होगी तलाश, पीएम किसान योजना में देंगे 6 हजार

खरगोन। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि ज्यादा से ज्यादा किसानों को दिलाने के लिए कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने सभी राजस्व अधिकारियों को जिले के 15 प्रतिशत किसानों का जोड़ने का लक्ष्य दिया है। उन्होंने कहा कि जिले में बहुत कम किसान आयकर दाता होंगे। उन्हें इन दोनों योजना में क्रमश 6 व 4 हजार रुपये का लाभ दिलाने के लिए अगले 10 दिनों तक सर्वे कार्य पूरा करें। अभी भी जिले में ऐसे 50 हजार किसान छुटे होंगे। उन्हें लाभान्वित किया जाना चाहिए। वर्तमान में जिले में 1 लाख 89 हजार 320 किसानों को पीएम किसान और मुख्यमंत्री किसान योजना में लाभ दिया जा रहा है। शनिवार कलेक्टर श्री कुमार ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में चार महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं तय कर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल और केके मालवीया सहित सभी एसडीएम और तहसीलदार उपस्थित रहे।

65 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित होंगे-खरगोन जिले में भगवानपुरा और झिरन्या जैसे दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में कई निर्माण कार्य वन ग्राम होने से नहीं बन पा रहे हैं। लेकिन अब इन क्षेत्रों के 65 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्री कुमार ने झिरन्या के 35, भगवानपुरा के 23 और बड़वाह के 7 गाँवों को वन ग्राम से राजस्व ग्राम में घोषित कराने के लिए प्रकिया जल्द पूरी करने के लिए तहसीलदारों को निर्देश दिए है। तहसीलदारों द्वारा बताया गया है कि अभी कई गांवों की प्रक्रिया चल रही है।

सीएम हेल्पलाईन में राजस्व विभाग लगातार दूसरे माह प्रथम पर-प्रति माह सीएम हेल्पलाईन की रेंक घोषित की जाती है। अगस्त माह में भी खरगोन राजस्व विभाग प्रदेश में सबसे प्रथम पर रहा है। इससे पूर्व जुलाई माह में प्रथम और जून में तृतीय स्थान पर रहा था। राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्री कुमार ने सभी राजस्व अधिकारियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई भी दी। साथ ही उन्होंने 85 प्रतिशत का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

पीजी कॉलेज में मनाया स्वैच्छिक रक्तदान दिवस

खरगोन। पीजी कॉलेज खरगोन में शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर जनमानस को रक्तदान करने के फायदे व लाभ से अवगत करवाया गया। वहीं रक्तदान और एड्स जागरूकता संबंधित पर्चे महाविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने छात्र छात्राओं को बांटे।

प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने बताया कि रक्तदान करने से कमजोरी नहीं आती है। यह सिर्फ एक भ्रांति है। इसमें कोई सधाई नहीं है। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक व रेड रिबन क्लब के प्रभारी डॉ. सुरेश अवासे ने बताया कि जन्मदिन या शादी की सालगिरह जैसे अवसरों पर रक्तदान कर दूसरे को तोहफा दें। घर के बुजुर्गों की बरसी या श्राद्ध के दिन रक्तदान कर श्रद्धांजलि दें।

महिला इकाई अधिकारी डॉ. सुनैना चौहान ने बताया कि 18 से 65 वर्ष के बीच के ऐसे व्यक्ति जिनका वजन 45 किलोग्राम से अधिक है तथा हीमोग्लोबिन कम से कम 12.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर हो तो वे रक्तदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्वयंसेवक सावन धनगर, संवेदना पंढाणे, श्रेया सेन, पूजा सोलंकी, गोतम भालसे, हर्ष राठौर, साक्षी पाटीदार, गोपाल, शिवानी, लाली, राशिका, रीना, आंचल, दीपिका, शिमरान, निकिता, राहुल, जानवी मंजू, साक्षी भावसार आदि उपस्थित रहे।

लांचर कम पड़े तो जीएसएस से सेगमेंट लाचिंग का काम शुरू

इंदौर। शहर में मेट्रो के काम को तेजी से पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे है। अब पिलर को आपस में जोड़ने के लिए लांचर की कमी होने पर जीएसएस के माध्यम से सेगमेंट लाचिंग का काम शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार अभी मेट्रो के लिए तीन लांचरों की मदद ली जा रही है। एक लांचर रेल विकास निगम द्वारा उपयोग में लिया जा रहा है, जिससे सुपर कारिडोर पर इसकी सहायता से सेगमेंट जोड़े जा रहे हैं। जबकि दूसरा लांचर दिलीप बिल्डकान द्वारा एमआर 10 के यहां पर उपयोग में लिया जा रहा है। वहीं तीसरा लांचर विजय नगर से रेडिसन के बीच में सेगमेंट लगाने के काम आ रहा है। इधर बापट चौराहे से सयाजी चौराहे के बीच में तैयार पिलरों को जीएसएस ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम की सहायता से जोड़ा जा रहा है।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर तक हमारी आठ लांचर लाने की तैयारी है, जिससे जल्द काम हो जाएगा। लेकिन अभी हमने जीएसएस की मदद लेना शुरू कर दी है। हालांकि इसमें समय लगता है, लेकिन काम को जल्द पूरा करने के लिए यह जरूरी है। लांचर की मदद से पांच दिनों में दो पिलर के बीच में सेगमेंट लगा दिए जाते हैं, जबकि जीएसएस की मदद से इस काम में ज्यादा समय लग जाता है।

गौरतलब है कि अगले साल सितंबर में मेट्रो को पांच किलोमीटर लंबे इलाके में ट्रायल किया जाना है, जिसके लिए तैयारी की जा रही है। पिछले दिनों मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी के साथ हुई बैठक में भी यह तय हुआ था। अगले साल होने वाले ट्रायल में किसी तरह की देरी नहीं होना चाहिए। इसके चलते अब तेजी से काम किया जा रहा है।

स्कूल के विद्यार्थी भर सकेंगे परीक्षा फार्म

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिन निजी स्कूलों की मान्यता निरस्त कर दी थी, उनके छात्रों को हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने निजी स्कूल की तरफ से प्रस्तुत याचिका की सुनवाई करते हुए छात्रों के हित में अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने स्कूली शिक्षा विभाग को आदेश दिया है कि वह स्कूल का डायस कोड जारी करे और स्कूल के छात्रों को परीक्षा फार्म जमा करने की अनुमति देते हुए इनके द्वारा भरे गए फार्म स्वीकारे।

गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने इंदौर के अनेक स्कूलों के मान्यता नवीनीकरण आवेदन फार्म यह कहते हुए निरस्त कर दिए थे कि स्कूलों ने मापदंड पूर्ण नहीं किए हैं। मान्यता नहीं मिलने से इन स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो गया था।

इन्हीं स्कूलों में से नंदबाग कालोनी स्थित एक स्कूल ने एडवोकेट प्रसन्न भटनागर के माध्यम से स्कूली शिक्षा विभाग के आदेश को यह कहते हुए मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी कि बीच सत्र में इस तरह से मान्यता निरस्त करने से स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों का साल बिगड़ जाएगा।

छात्रों को बोर्ड परीक्षा के फार्म जमा करना है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल का डायस कोड ही जारी नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने छात्रों के हित में अंतरिम आदेश जारी करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग को स्कूल का डायस कोड जारी करने और छात्रों के परीक्षा फार्म स्वीकारने के आदेश दिए।

तेवर में है मां त्रिपुर सुंदरी की 11वीं शताब्दी की मूर्ति

जबलपुर। शहर से लगभग 14 किमी. दूर तेवर स्थित त्रिपुर सुंदरी का प्राचीन मंदिर है। भेड़ाघाट रोड स्थित हथियागढ़ में स्थित इस मंदिर में नवरात्र पर्व पर भक्तों का विशेष रूप से मेला भरता है। 11वीं शताब्दी में कल्चुरी राजा कर्ण देव ने इसका निर्माण कराया था। इसकी पुष्टि यहां एक शिलालेख से होती है। यहां नौ दिनों तक शहर के अलावा आसपास के शहरों के लोग भी पूजन करने पहुंचते हैं।

इतिहास :-इस मंदिर का इतिहास कल्चुरिकाल से जोड़ा जाता है। जो उस समय की पूजित प्रतिमा है। प्रतिमा के तीन रूप राज राजेश्वरी, ललिता और महामाया माने जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि राजा कर्ण देव के सपने में आदिशक्ति का रूप त्रिपुरी दिखाई दी थीं। तब राजा कर्ण ने इस प्रतिमा की स्थापना कराई थी। यह प्रतिमा शिला के सहारे अधलेटी अवस्था में पश्चिम दिशा की ओर मुहं करके है। मंदिर में माता महाकाली, माता महालक्ष्मी और माता सरस्वती की विशाल मूर्तियां स्थापित हैं। यहां त्रिपुर का अर्थ है तीन शहरों का समूह और सुंदरी का अर्थ होता है मनमोहक महिला। इसलिए इस स्थान को तीन शहरों की अति सुंदर देवियों का वास कहा जाता है। कहा जाता है कि राजा कर्ण हथियागढ़ के राजा थे, वे देवी के सामने खौलते हुए तेल के कड़ाहे में स्वयं को समर्पित कर देते थे और देवी प्रसन्न् होकर राजा को उनके वजन के बराबर सोना आशीर्वाद के रूप में देती थीं।

नौ दिन विशेष आराधना :-मंदिर में नौ दिनों तक विशेष आराधना की जाती है। मंदिर का संचालन प्रशासन द्वारा किया जाता है। जिसमें पुजारियों की नियुक्ति की जाती है। नौ दिनों तक यहां सुबह से रात तक विविध अनुष्ठान किए जाते हैं। नवरात्र पर्व पर विशेष रूप से अखंड ज्योत कलश की स्थापना की जाती है। सुबह और रात में विशेष आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। मनोकामनाओं के लिए भी यहां विशेष रूप से नारियल अर्पण किए जाते हैं।

नवरात्र पर्व पर विशेष तौर पर व्यवस्था की जाती है। सुबह चार बजे पट खोले जाते है और 6:20 बजे तक श्रद्धालु जल अर्पण करते हैं। इसके बाद महाभिषेक किया जाता है। आरती के बाद सुबह 8 बजे से पट खोल दिए जाते हैं। इसके बाद रात 11 बजे तक भक्त दर्शन करते हैं।

-राम किशोर दुबे, पुजारा

छात्रवृत्ति में नियम बदलने से एमबीए में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी असमंजस में

इंदौर। सरकार ने सत्र 2022-23 में छात्रवृत्ति के नियमों में बदलाव कर दिया है। इसके चलते डायरेक्टोरेट आफ टेक्निकल एजुकेशन (डीईटी) की काउंसलिंग पर असर पड़ा है। एमबीए-एमसीए में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी असमंजस में हैं। शासन भी इसे लेकर स्थिति स्पष्ट करने को तैयार नहीं है। नियमों के मुताबिक कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) में दाखिला लेने पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का फायदा नहीं मिलेगा। इस वजह से सीमेट दे चुके विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन करवाने में लगे हैं। जबकि स्नातक के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी परेशान हैं। कालेज संचालक डा. नरेंद्र धाकड़ ने बताया कि शासन से छात्रवृत्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए पत्र लिखा है।

नशामुक्ति अभियान 30 नवम्बर तक

इन्दौर। प्रदेश में 2 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक राज्य, जिला और ग्राम स्तर पर नशामुक्ति अभियान चलाया जायेगा। सभी विभागों, सामाजिक संगठन, धर्मगुरू, स्वयं सेवी और अशासकीय संस्थाओं की मदद से होने वाले इस अभियान में नशे की गिरफ्त में आने वाले संभावित व्यक्तियों के लक्षण की जानकारी भी दी जायेगी। इससे माता-पिता, अभिभावक, मित्र आदि समय रहते बच्चे को नशे की चपेट में आने से बचा सकेंगे।

अभियान में सभी स्कूल और महाविद्यालयों में 6 दिवसीय कार्यक्रम भी होंगे। नशामुक्ति के क्षेत्र में का यरत विभिन्न संस्था और केन्द्रों की जानकारी भी आम लोगों तक पहुँचाई जायेगी। अभियान को जन-अभियान बनाने का प्रयास किया जायेगा, जिससे सकारात्मक वातावरण विकसित हो और आमजन समाज को नशे के दुष्परिणामों से बचाने में अपना अमूल्य योगदान दे सकें।

'चोरी के माल की बिक्री में चोरों के साथ सुनार का नाम देना गलत'

इंदौर। पुलिस द्वारा पकड़ी जाने वाली चोरी की वारदातों के बाद खबरों में चोर के साथ उसके द्वारा आभूषण बेचने के मामले में सुनारों का नाम पुलिस अखबारों में दे देती है। स्वर्णकार समाज के पदाधिकारियों ने इस प्रवृत्ति का विरोध करते हुए इसे गलत बताया है। समाज के पदाधिकारी पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र से मिले और इस पर रोक लगाने की मांग की।

स्वर्णकार समाज इंदौर के नवनिर्वाचित पार्षद बालमुकुंद सोनी के साथ श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मारवाड़ी समाज इंदौर के अध्यक्ष बसंत सोनी, कार्यकारिणी सदस्य अभय, राजकुमार, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार जयपुर और समाज इंदौर के सचिव संजयकुमार सोनी तथा मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार नवयुवक संगठन इंदौर के पदाधिकारी पुलिस कमिश्नर से मिले। समाजजन ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि अगर कोई चोर या अपराधी फर्जी बिल या किसी अन्य दस्तावेज के जरिए पुराने गहने सराफा व्यापारी के पास बेचता है। इस पर पुलिस अपनी कार्रवाई करे, लेकिन व्यापारी की चोरी में कोई मिलीभगत नहीं होने के बाद भी पुलिस उसका नाम अखबारों में अपराधियों की तरह घोषित कर देती है। इससे उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है, साथ ही समाज का भी अपमान होता है। कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि मामले में आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

इंदौर सहित मध्य प्रदेश के 11 निकायों को मिलेगा स्वच्छता पुरस्कार

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में हर वर्ष की तरह मध्य प्रदेश फिर एक बार स्वच्छता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। प्रदेश के 11 नगरीय निकायों को स्वच्छता के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इंदौर को स्वच्छता में श्रेष्ठता के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सम्मानित करेंगी। यह कार्यक्रम दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में होगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा नई दिल्ली में स्वच्छता लीग के विजेता नगरीय निकायों खजुराहो और उज्जैन को सम्मानित किया गया। प्रदेश के नगरीय निकाय इंदौर, बड़ौनी, भोपाल, छिंदवाड़ा, खुरई, महू केंट, मुंगावली, औबेदुल्लागंज, पेटलावद, फूफकला और उज्जैन को स्वच्छता, नागरिक की संतुष्टि सहित अन्य श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। पहले स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 में प्रदेश को देश के चौथे स्वच्छ राज्य का सम्मान मिला था। वर्ष 2020-21 में प्रदेश तीसरे स्थान पर आ गया। इस वर्ष प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त होने की संभावना है। वर्ष 2021 में प्रदेश के आठ शहरों ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए थे तथा 13 शहरों को उनकी फाइव स्टार एवं थ्री स्टार

रेटिंग प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ था। इसके अलावा विशेष प्रतियोगिता सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज में प्रदेश के इंदौर, भोपाल और उज्जैन को विशेष राष्ट्रीय सम्मान मिला था। इस वर्ष प्रदेश में खुले में शौच से मुक्ति के बाद संवहनीयता की स्थिति बनाए रखने का लक्ष्य निर्धारिक करके कार्य किया गया। 323 नगरीय निकायों ने ओडीएफ डबल प्लस के प्रमाणीकरण को प्राप्त करने में सफलता पाई है। प्रदेश के 350 नगरीय निकायों ने स्टार रेटिंग के प्रमाणीकरण के लिए दावे प्रस्तुत किए थे, जिसके परिणाम आना बाकी है। गौरतलब है कि 2017 में प्रदेश के सभी शहर खुले में शौच से मुक्त घोषित किए जा चुके हैं।

ड्राय रन में इंदौर का पहला स्थान यानि नंबर 1 पक्का-दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के पुरस्कारों की घोषणा शनिवार को होगी। मुख्य समारोह से पहले आयोजन स्थल पर शुक्रवार शाम 7 बजे ड्राय रन का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार लेने वाले शहरों के लिए खासतौर पर एक दिन पूर्व रिहर्सल के लिए इस ड्राय रन का आयोजन किया गया। इसमें निगमायुक्त प्रतिभा पाल के साथ मिशन डायरेक्टर गौरव बैनल व डिप्टी मिशन डायरेक्टर नीलेश दुबे भी शामिल हुए। ड्राय रन में इंदौर की टीम को पहले स्थान पर बुलाया गया। इस ड्राय रन से ही यह तय हो गया कि इंदौर को छठवी बार भी स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर 1 का स्थान मिलना पक्का हो गया है।

सीएम शिवराज ने किया होनहार विद्यार्थियों का सम्मान, लैपटाप के लिए दी राशि

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अंक लाने वाले करीब 91 हजार विद्यार्थियों को एक कार्यक्रम में लैपटाप के लिए 25 हजार रुपये की राशि का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम राजधानी के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे शुरू हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कन्या पूजन के उपरांत दीप पज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार और जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्री मीना सिंह और भोपाल की महापौर मालती राय भी कार्यक्रम में उपस्थित हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के मेधावी विद्यार्थी, जिन्होंने 12वीं कक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें इस योजना से लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक संभाग से मंडल की प्रावीण्य सूची से सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले दो-दो विद्यार्थियों को प्रतीक स्वरूप 25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

भोपाल संभाग के सभी व शेष संभागों से चयनित विद्यार्थी होंगे शामिल-भोपाल संभाग के जिलों के 12,261 एवं शेष 44 जिलों से प्रत्येक जिले से 45 विद्यार्थी, 2-2 महिला एवं पुरुष शिक्षक भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इन विद्यार्थियों में भोपाल जिले के करीब चार हजार विद्यार्थी शामिल हैं। दूसरे संभाग से आने वाले विद्यार्थियों को राजधानी के एक निजी होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। गुरुवार को ही दूसरे संभाग के विद्यार्थी राजधानी पहुंच गए थे।

लम्पी रोग की मप्र को 14 लाख गोट पाक्स वैक्सीन मिली

भोपाल। पशुओं के जानलेवा रोग से बचाव के लिए मध्यप्रदेश को केंद्र सरकार से 14 लाख गोट पाक्स वैक्सीन मिल गई है। वैक्सीन मिलने के बाद प्रदेश में पशुओं का टीकाकरण प्रारंभ हो गया है। पशुपालन विभाग ने इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन को केंद्रबिंदु मानकर टीकाकरण भी शुरू कर दिया है। 33 लाख (80 प्रतिशत) पशुओं को टीका लगाया जाना है। इसके लिए पशु चिकित्सकों को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि टीकाकरण में देरी न हो। वहीं पशुपालन संचालनालय से साफ कर दिया है कि अभी तक भैंस वंशीय पशुओं पर इस रोग के लक्षण दिखाई नहीं दिए हैं। इसलिए पशुपालक घबराएं नहीं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 35 लाख से अधिक गोवंशी पशु हैं और 14 लाख टीके मिलने के बाद इतने ही की और जरूरत है, जो बाद में मिलेंगे।मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावित गांव और उसके चारों तरफ प्राथमिकता से टीकाकरण कराएं। वहीं केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निगरानी भी करें। तैयारी के अनुसार इंदौर केंद्र बिंदु में पांच लाख 34 हजार 762, भोपाल में तीन लाख 45 हजार 690, ग्वालियर में दो लाख 87 हजार 68 और उज्जैन केंद्र बिंदु में शामिल जिलों को दो लाख 32 हजार 480 टीके पहुंचा दिए गए हैं। ज्ञात हो कि प्रदेश में लगातार टीकाकरण चल रहा है। जिलों में पदस्थ संयुक्त संचालकों और उप संचालकों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि लंपी से मृत पशु को गांव या शहर के बाहर स्थानीय प्रशासन की मदद से गड्ढा खोदकर चूना और नमक के साथ दफनाया जाए। मृत पशु का शरीर खुले में बिल्कुल न रहने दें अन्यथा कुत्ते, कौआ, मच्छर, मक्खी बीमारी के संवाहक बन सकते हैं। इस बारे में पशुपालन एवं डेयरी संचालक डा. आरके मेहिया का कहना है कि केंद्र से 14 लाख टीके मिले हैं। संबंधित जिलों को टीके भेज दिए हैं और व्यापाक स्तर पर टीकाकरण भी शुरू हो गया है। अभी भैंस वंशीय पशुओं पर बीमारी के लक्षण नहीं हैं। इसलिए डर की बात नहीं है, पर मृत पशु को दफनाएं और उसमें भी सावधानी बरतें।

संचालक डॉ. मेहिया और कुलपति डॉ. तिवारी वीसीआई में सदस्य मनोनीत

भोपाल। केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी संचालक डॉ. आर.के. मेहिया और नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी को भारतीय पशु चिकित्सा परिषद नई दिल्ली के सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। अन्य सदस्य में प्रधान निदेशक पशुपालन सिक्किम शासन डॉ. भक्तिमान चैत्री, निदेशक पशुपालन गुजरात शासन डॉ. फाल्गुनी ठाकुर, निदेशक केन्द्रीय पशुपालन विभाग डॉ. राकेश सिंह और कुलपति महाराष्ट्र एनिमल एण्ड फिशरीज यूनिवर्सिटी नागपुर डॉ. राकेश सिंह शामिल हैं। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने दोनों सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के लिये यह गौरव का विषय है कि प्रदेश के दो लोगों को भारतीय पशु चिकित्सा परिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। इनके अनुभवों का लाभ राष्ट्रीय स्तर पर भी मिलेगा।

कलेक्टर ने किया मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत लगने वाले शिविरो का निरीक्षण

बड़वानी। केन्द्र व राज्य सरकार की 38 स्कीमो से ग्रामीणो को लाभान्वित करने के लिये जिले की ग्राम पंचायतो एवं नगर निकायो के वार्डो में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत शिविर लगाये जा रहे है। ग्रामीणजन इन शिविरो में उपस्थित होकर अधिक से अधिक लाभ उठाये। इन शिविरो में हितग्राहियो से आवेदन लेकर निराकरण किया जायेगा तथा इसके पश्चात एक और फालोअप शिविर भी लगाया जायेगा। जिसमें पहले शिविर में प्राप्त आवेदनो की स्थिति बताई जायेगी । कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा ने ग्राम पंचायत भवन वांगरा एवं जामनिया वन में लगाये गये मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान शिविरों का निरीक्षण करते हुए उक्त बाते कही।

जल जीवन मिशन में ग्रामीण परिवारों के घर जल पहुँचने का सिलसिला जारी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण अंचल की पेयजल की परेशानी को हमेशा के लिए दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश में जल जीवन मिशन में कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चाहते थे कि प्रदेश की करीब सवा 5 करोड़ ग्रामीण आबादी को जल जीवन मिशन में नल कनेक्शन के जरिए गुणवत्तापूर्ण जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जल जीवन मिशन में हो रहे कार्यों की राज्य से लेकर जिला और ग्राम स्तर तक नियमित समीक्षा का क्रम बनाया जो सिलसिला जारी है। अब सभी जिलों की ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल मुहैय्या करवाने के कार्य तेज गति से चल रहे हैं। मिशन में प्रदेश के 53 लाख 4 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से निरन्तर जल प्रदाय हो रहा है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी स्कूल और आँगनवाड़ियों में नल कनेक्शन से पेयजल प्रदान करने के अभियान में भी तेजी से काम किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में अब तक लगभग 71

हजार से अधिक शालाओं तथा 41 हजार से अधिक आँगनवाड़ियों में नल से जल सुलभ कराया जा चुका है। शेष स्कूल और आँगनवाड़ियों में नल से जल पहुँचाने का कार्य निरंतर जारी है।

अब तक 50 हजार करोड़ से अधिक राशि मंजूर-मिशन में नवीन जल प्रदाय योजनाओं और रेट्रोफिटिंग कार्यों के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विगत करीब दो वर्षों में 33 हजार करोड़ की स्वीकृतियाँ जारी की जा चुकी हैं। हाल ही में मंत्रि-परिषद ने 17 हजार 971 करोड़ 95 लाख की नवीन जल संरचनाओं के स्वीकृति दी है। मिशन में हो रहे कार्यों पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा आधा-आधा व्यय भार वहन किया जाता है।

प्रदेश की ग्रामीण आबादी को उनके घर पर उपलब्ध हो रहे नल से जल संबंधी जल प्रदाय योजनाओं का संचालन, संधारण और जल कर वसूली कार्य का निर्वहन ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों द्वारा किया जा रहा है। इन समितियों में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को ग्राम जल समिति ने 'जल मित्र' बनाया है, जो समय-समय पर पेयजल का परीक्षण करती हैं। इन सभी जल मित्र को जल परीक्षण का प्रशिक्षण दिलवाकर फिल्ड टेस्ट किट प्रदान किये गये हैं।

President Smt. Murmu honored Madhya Pradesh with two National Film Awards

National Film Award is a moment of honor for the state - Minister Sushri Thakur

Received awards for Most Film Friendly State and Maandal Ke Bol

Bhopal : President Smt. Draupadi Murmu honored Madhya Pradesh with two awards at the 68th National Film Awards ceremony at Vigyan Bhawan, New Delhi. Minister of Tourism, Culture and Religious Trust and Endowment, Sushri Usha Thakur, for the 'Most Film Friendly State' and Principal Secretary Tourism and Culture Shri Sheo Shekhar Shukla, for 'Maandal Ke Bol' in the category of Best Ethnographic Film in Non-Feature Film, received the Rajat Kamal Award and certificates. Along with this, the director of the film 'Mandal Ke Bol', Mr. Rajendra Jangle was also honored with the Rajat Kamal Award. It is noteworthy that the Ministry of Information and Broadcasting had announced the National Film Awards on 22 July 2022.

Minister Sushri Thakur said that it is a moment of honor for the state to get the award of Most Film Friendly State for Madhya Pradesh. For this, along with the officials of the tourism department, there is a contribution of the people of the state, whose love for art and artists has made the state conducive for filming.

Principal Secretary Shri Shukla said that in the film policy of the state, attractive aspects like grant to filmmakers, grant of permission in the time-limit in public service guarantee, single window system etc. have been included. Madhya Pradesh attracts

filmmakers spontaneously with its natural beauty and attractive location. This award will act as an inspiration for us to provide more convenience and support to filmmakers.

More than 350 films, serials, web series and other projects have been shot in Madhya Pradesh, which has received the Most Film Friendly State Award. Currently shooting of 7 film projects Pinch, Tiwari, Chanderi Handloom The Woven Motifs, Mahal, The Master Squad, Kartam Bhugatam, Parakram is going on.

Highlights of Madhya Pradesh Film Policy

Madhya Pradesh is the only state in the country, which has included the permission of projects in the Public Service Guarantee Act. The Act provides for permission to shoot a film in 15 working days. Also, it is the first state which has included web series, OTT original content, TV serials and documentaries in the grant given in the film policy. Single window clearance facility is available for all filming permissions in the state. To implement the film tourism policy at the district level, ADM level officer has been appointed as the nodal officer for filming permission in each district.

Madhya Pradesh is known as theater hub. There is an availability of both senior and junior artists. Under the film policy, there is a provision of concession for the film crew staying in hotels and resorts of the tourism department along with additional financial grant for the local artists of the state. Also, for the development of film industry in the state, there is a provision for setting up film cities, film studios, skill development centers etc., promotion of private investment and reserved land etc.

'Maandal Ke Bol' has won the National Film Award in the Best Ethnographic Film category in a non-feature film. The film depicts the life and rural environment of the Baiga tribe in Madhya Pradesh. The 27-minute film, produced by Madhya Pradesh Tribal Museum and directed by Mr. Rajendra Jangle, has commentary and music. The melodious music along with the sequences of the scene make the film very special.

Need to change lifestyle based on excess use of water: CM Shri Chouhan

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that Madhya Pradesh is fully conscious about proper use of water. After the year 2003, irrigation capacity has been increased by collecting water in the state. The irrigation potential in the state has increased from seven and a half lakh hectares to 42 lakh hectares. We are committed to more and more efficient irrigation system with less water. For this, irrigation facility is being provided through pressure pipe instead of canal system. The aim is to save as much water as possible. Chief Minister Shri Chouhan was addressing a seminar of water experts and intellectuals at Mantralaya on Madhya Pradesh State Water Policy-2022.

Water Resources Minister Shri Tulsi Silawat, Professor Sachin Chaturvedi of Atal Bihari Vajpayee Institute of Policy Analysis, Chief Secretary Shri Iqbal Singh Bains, Additional Chief Secretary Water Resources Shri SN. Mishra, senior officers, water experts and social workers were present.

Chief Minister Shri Chouhan said that pure drinking water should be easily available to the people of the state. With this purpose, Jal Jeevan Mission is being implemented in every village. Various activities were conducted in the Jalabhishek campaign to raise the ground water level. As per the intention of Prime Minister Shri Modi, a large number of Amrit Sarovars are being constructed in all the districts.

Chief Minister Shri Chouhan has said that crop pattern is changing now. The system of taking the third crop in agriculture has begun. This crop is often taken during summer, which is based on ground water. Due to this production is increasing but the ground water level is continuously on the decline. Rivers are also dying due to over-irrigated crops. It is necessary to consider these issues. The demand for water in industries is also ever-increasing. It is necessary to make a strategy keeping in view the availability and demand of water in future. Drinking water is still a growing problem in many villages and settlements. Ensuring the availability of drinking water in future is an increasing challenge. For the revival of rivers, it is necessary to make an action plan and implement it by awakening the sensitivity of the general public.

Chief Minister Shri Chouhan said that there is a need to change the lifestyle based on over use of water in view of present circumstances. Methods of recycling water for use, conducting activities by using less water will have to be adopted in everyday life. We have to leave the earth in such a condition for the coming generations, that the future generations can also lead a happy life on the earth. We have to make water policy keeping these concerns in mind. The policy should be such that it can be implemented in coordination with the people.

Export Promotion Committee should be constituted in the districts - CM Shri Chouhan

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan has said that agricultural products should be included in the list of materials to be exported from the state. A long-term plan should be made for the export of agricultural related materials. This will enable the farmers to get the right price for their products. Export promotion committee should be set up in the districts to encourage exports from the districts. These committee should provide necessary training and guidance on the overall trade along with exports. Special efforts should be made to establish international recognition of the state's products like orange, rice etc. CM Shri Chouhan was addressing the first meeting of Madhya Pradesh Trade Promotion Council at Mantralaya.

Chief Minister Shri Chouhan said that Madhya Pradesh Trade Promotion Policy should be implemented expeditiously. CM Shri Chouhan gave his acquiescence to organise Madhya Pradesh Export Fair. Industrial Policy and Investment Promotion Minister Shri Rajvardhan Singh Dattigaon, Revenue Minister Shri Govind Singh Rajput, Horticulture and Food Processing Minister Shri Bharat Singh Kushwaha, Vice President of Atal Bihari Vajpayee Institute of Policy Analysis Prof. Sachin Chaturvedi, Chief Secretary Shri Iqbal Singh Bains, Principal Secretary Industrial Policy and Investment Promotion Shri Sanjay Shukla along with concerned officers were present. Minister Shri Omprakash Sakhlecha virtually attended the meeting.

Chief Minister Shri Chouhan said that an effective strategy should be made to encourage the state's exports. Exports from the state should be increased 4 times in the next 5 years. Ensure that the state is among the 10 leading states of the country in exports. In the meeting, consent was given to the proposal to set up an Export Directorate in the state. Along with this, a proposal was also agreed to nominate an agency for geo-tagging of the products of the state.

It was informed that a record export of 58 thousand 407 crore has taken place in the financial year 2021-22 in the state. The export from IT companies was Rs. 258 crore in the year 2017-18, which has increased to 1761 crore in the year 2021-22. The maximum export in the state is of pharma, cotton and cotton products.

खरगोन में लोकतंत्र का निर्माण करने वाले 100 वर्ष से अधिक आयु के 130 जीवित मतदाता

खरगोन। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के इतिहास में पहली बार 100 वर्ष की आयु पूरी करने वाले मतदाताओं के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे मतदाताओं का सम्मान किया गया। जिन्होंने पहले चुनाव में मत डालकर कर लोकतंत्र की नींव रखी थी। जिले में आज भी ऐसे 130 मतदाता है जो देश में हुए पहले चुनाव में भी मतदान किया था और भी मतदान करने की उम्मीद है। पूरे प्रदेश में ऐसे 4168 मतदाता है जो 100 वर्ष से अधिक आयु पूरी कर चुके है। मप्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी भारत निर्वाचन आयोग ने भी प्रशंसा की। खरगोन के वीसी कक्ष में भी कलेक्टर श्री कुमार दो मतदाताओं का शॉल और श्री फल तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा जहां 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता है। उन मतदान केंद्रों पर भी कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया गया। वीसी कक्ष में अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल, श्री केके मालवीय व सभी एसडीएम उपस्थित रहे।

घर जाकर किया सम्मान- कसरावद तहसील के भुलगांव के मतदान केंद्र क्रमांक 146 के वृद्ध मतदाता गोकुल और मतदान केन्द्र 148 की बनारस बाई का का सम्मान उनके घर जाकर संबंधित बीएलओ द्वारा किया गया। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र महेश्वर मतदान केंद्र 276 पीड़ाय बुजुर्ग में द्वारकी बाई पति मोतीराम की उम्र 101 साल होने पर बीएलओ एवम ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सम्मान किया गया।

घर पर ही मतदान केंद्र बनाने का आयोग ने किया सफल प्रयोग- भारत निर्वाचन आयोग ने हर पात्र मतदाता की लोकतंत्र में भागदारी सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2021 में हुए उपनिर्वाचन में एक सफल प्रयोग किया था। इस प्रयोग में 80 वर्ष से अधिक ऐसे दिव्यांग या गंभीर बीमारियों से ग्रसित मतदाताओं के घर पर ही मतदान केंद्र बनाकर पूरी प्रकिया का पालन कर मतदान कराया गया था। जिले में खंडवा संसदीय सीट के उपनिर्वाचन में ऐसा हो चुका है। जिसके सार्थक परिणाम रहे है।

गांव गांव में आयोजित होंगे आयुष्मान शिविर : कलेक्टर

मंदसौर। कलेक्टर श्री गौतम सिंह ने एक विशेष बैठक वीसी के माध्यम से आयोजित कर सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। दिशा निर्देश प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि कल से गांव-गांव में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर आयोजित करें। कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड से वंचित नहीं रहना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड नहीं बनता है, तो उसका कारण भी दर्ज करें। अभी तक जिले में 6 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं।पंचायतों में रोजगार सहायक भी आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। उनके पास भी आईडी और पासवर्ड हैं। फील्ड में उतरे तथा एक एक हितग्राही से संपर्क करें। किसी भी गांव में जाकर लोगों से पूछे कि उनके घर सरकार की चिन्हित योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए कोई शासकीय कर्मचारी आया या नहीं। ब्लॉक स्तर पर सभी एसडीएम 33 योजनाओं के संबंध में बैठक आयोजित करें। इसके साथ ही ब्लॉक स्तरीय डीएलसीसी की बैठक भी रखें। अगर कोई व्यक्ति सिर्फ इस आधार पर अपात्र होता है कि, उसके पास लाभ लेने के लिए कोई प्रमाण पत्र नहीं है तो, उस व्यक्ति को प्रमाण पत्र प्रदान करने की जिम्मेदारी अधिकारी की होगी तथा उस व्यक्ति का प्रमाण पत्र बनाकर उसको योजना का लाभ प्रदान कराएं। आवेदन बिना किसी कारण के कारण के रिजेक्ट ना करें या सिर्फ प्रमाण पत्र के न होने के आधार पर अस्वीकार ना करें। सभी अधिकारी अपने अपने दायित्व को समझें। अगर जिला स्तर की कोई कार्यवाही करनी हो तो तुरंत बताएं। नामांतरण, सीमांकन, बटवारा के सभी कार्य 15 अक्टूबर तक पूर्ण करें। 15 अक्टूबर के पश्चात किसी भी गांव में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं रहेगा। जिसको सरकार की चिन्हित 33 योजना का लाभ नहीं मिला हो। अगर कोई व्यक्ति ऐसा मिलता है, तो उसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा।

डॉक्टरी-इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए भी सहयोग की व्यवस्था-मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियरिंग की पढ़ाई में सहायता के साथ उनमें उद्यमिता की दक्षता निखारने और व्यापार में प्रवेश कराने के लिए सहायता की व्यवस्था की गई है। युवाओं को स्टार्टअप आरंभ करने, नवाचार करने प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित करें, भ्रामित न हों, लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनुशासित रूप से कड़ी मेहनत करते हुए रास्ता बनाएँ, सफलता अवश्य मिलेगी, राज्य सरकार आपके साथ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए लाल परेड ग्राउंड पर मेधावी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में 12वीं कक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले वाले 91 हजार 498 विद्यार्थियों के खाते में लेपटॉप के लिए 25-25 हजार रूपये आंतरित किए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर को 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के लिए उज्जैन पधार रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से परिवार सहित इस कार्यक्रम से जुड़ने और अपने गाँव और नगरों में इस अवसर पर उत्सव मनाने का आहवान किया।

मध्यप्रदेश का जोरदार प्रदर्शन, एक स्वर्ण और चार कांस्य सहित पांच पदक

भोपाल। गुजरात में शुरू हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन मध्यप्रदेश ने जोरदार प्रदर्शन किया है। मप्र ने एक स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीतकर बेहतरीन शुरुआत की है। मप्र के लिए एथलेटिक्स में तीन, कुश्ती व शूटिंग में एक एक पदक जीते। गांधीनगर में चल रहे एथलेटिक्स के मुकाबलों में शुक्रवार को मध्यप्रदेश की सपना वर्मन ने महिला हाई जम्प ईवेंट में 1.83 मीटर कूदकर स्वर्ण पदक हासिल कर नया मीट रिकॉर्ड बनाया है। मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी ऑफ एक्सलेंस के अर्जुन वास्कले ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 1500 मीटर की दौड़ में 3.42.31 की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं के 1500 मीटर दौड़ में मध्य प्रदेश की दीक्षा एमके ने 4.20.92 की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक हासिल किया। दीक्षा मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी ऑफ एक्सलेंस की खिलाड़ी हैं।

स्वर्ण के दावेदार एश्वर्य ने जीता शूटिंग में जीता कांस्य पदक- अहमदाबाद में 10 मीटर एयर राइफल पुरुष एकल में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ऑफ एक्सलेंस के ओलम्पियन शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कांस्य पदक हासिल किया। हालाकि टोक्यो ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एश्वर्य से सभी स्वर्ण की उम्मीद कर रहे थे। एश्वर्य ने ही मप्र का खाता खोला था। इसके अलावा गांधीनगर में कुश्ती मुकाबलों में मध्यप्रदेश के रोहित पटेल ने 157 किलोवर्ग फ्री स्टायल में कांस्य पदक जीता।

एक पदक की उम्मीद यहां भी बनी हुई है- एथलेटिक्स में पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता परवेज़ खान जो वर्तमान में राष्ट्रीय खेल में सर्विसेस का प्रतिनिधित्व कर रहे

हैं, वे अप्रैल 2021 से मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी हैं। विगत राष्ट्रीय प्रतियोताओं में उन्होंने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है और उनके द्वारा मध्यप्रदेश एवं राज्य खेल अकादमी से कोई एनओसी नहीं ली गई है। राष्ट्रीय खेल के नियमानुसार कोई भी खिलाड़ी कम-से-कम 6 माह पूर्ण होने पर किसी राज्य अथवा सेना का प्रतिनिधित्व कर सकता है। मध्यप्रदेश एथलेटिक्स के अधिकारियों ने चैयरमैन गेम्स टेक्निकल कंडक्शन कमेटी गुजरात को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हुए परवेज खान के पदक को मध्यप्रदेश राज्य की पदक तालिका में शामिल करने का आग्रह किया है। खेल यशोधरा राजे सिंधिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि 'मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन की ये शुरुआत है, मुझे पूर्ण विश्वास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी जिन खेलों में राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उनमें वे शानदार प्रदर्शन के साथ पदक हासिल करेंगे और मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करेंगे।'

चलती ट्रेन में महिला को हुई प्रसव पीड़ा, सागर स्टेशन पर एक बच्चे ने प्लेटफार्म तो दूसरे ने अस्पताल में लिया जन्म

सागर। सागर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सफर कर रही महिला यात्री ने एक बच्ची को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा को तुरंत ही डफरिन अस्पताल में ले जाया गया, जहां महिला ने दूसरे बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। उन्हें डाक्टरों की निगरानी में उन्हें रखा गया है। जानकारी के अनुसार सागर रेलवे स्टेशन पर फोन पर सूचना मिली कि जम्मूतबी-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेन के कोच नंबर एस 5 में सफर कर रही एक महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है। महिला अपने पति और देवर के साथ बिलासपुर जा रही थी। रात करीब 2.45 बजे सागर स्टेशन ट्रेन के पहुंचने पर रेलवे पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा महिला को ट्रेन से स्टेशन पर प्लेटफार्म में उतारा गया। जहां ट्रेन का इंतजार कर रहीं दूसरी महिला यात्रियों की मदद से प्लेटफार्म पर ही महिला के प्रसव की व्यवस्था की गई। कुछ ही देर में महिला ने प्लेटफार्म पर ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद महिला को बेहोशी हालत में जिला अस्पताल से बुलाई गई जननी एक्सप्रेस से नवजात शिशु सहित डफरिन अस्पताल ले जाया गया। महिला ने वहां कुछ देर बाद एक और बच्चे को जन्म दिया।

बताया जा रहा है कि महिला छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले की है। इसका नाम लक्ष्मी 30 वर्ष पति लकेस कश्यप है। जीआरपी थाना प्रभारी प्रमोद कुमार अहिरवार का कहना है कि सागर के प्लटफार्म पर बैठीं अन्य महिलाओं ने प्रसव में मदद की। उन्होंने तत्काल साड़ियों का घेरा बनाया व प्रसव कराया। महिला के पति ने त्वरित मदद के लिए सागर रेलवे स्टेशन के स्टाफ व अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।

श्रीराम ने रावण के अहंकार को चूर-चूर करके एक महत्वपूर्ण शिक्षा दी है

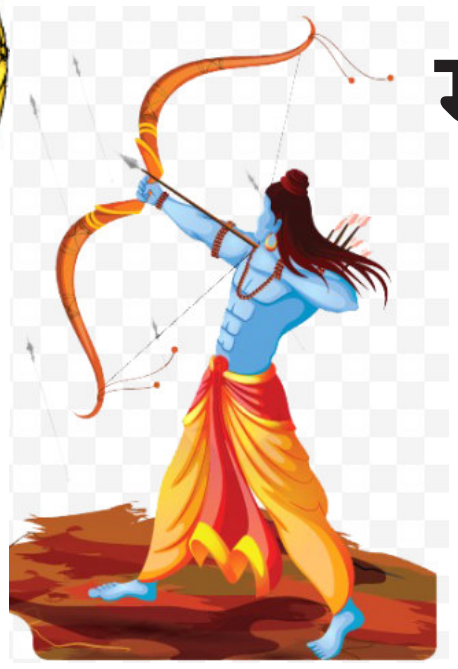

विजयादशमी हमारा राष्ट्रीय पर्व है। जिसे सभी भारतीय बड़े हर्षोल्लास एवं गर्व के साथ मनाते हैं। आश्विन माह में नवरात्रि समाप्ति के दूसरे दिन यानी दशमी को मनाया जाने वाला दशहरे का यह पर्व बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन खास कर खरीददारी करना शुभ मानते है, जिसमें सोना, चांदी और वाहन की खरीदी बहुत ही महत्वपूर्ण है। दशहरे के दिन पूरे दिन भर ही मुहूर्त होते है इसलिए सारे बड़े काम आसानी से संपन्न किए जा सकते हैं। यह एक ऐसा मुहूर्त वाला दिन है जिस दिन बिना मुहूर्त देखे आप कोई भी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं।

वर्षा ऋतु की समाप्ति का सूचक दशहरा

आश्विन शुक्ल दशमी को मनाए जाने वाला यह त्योहार विजयादशमी या दशहरा के नाम से प्रचलित है। यह त्योहार वर्षा ऋतु की समाप्ति का सूचक है। इन दिनों चौमासे में स्थगित कार्य फिर से शुरू किए जा सकते हैं। दशहरे के दिन भगवान श्रीराम की पूजा का दिन है। इस दिन घर के दरवाजों को फूलों की मालाओं से सजा दिया है। घर में रखें शस्त्र, वाहन आदि भी पूजा की जाती है। दशहरे का यह त्योहार बहुत ही पावनता के साथ संपन्न किया जाता है। उसके बाद रावण दहन मनाया जाता है।

जब राम ने किया था रावण का वध

नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद भगवान श्रीराम ने दशहरे के दिन ही लंकापति रावण का वध किया था। वैसे तो रावण बहुत परम ज्ञानी पंडित था। लेकिन मन में अहंकार के भाव के चलते उन्होंने सीता का हरण करके लंका ले गया और उसे अशोक वाटिका में कैद करके रखने दुस्साहस किया था। जिसके परिणाम स्वरूप भगवान राम हनुमान जी की सहायता से राक्षसराज रावण पर काबू पाने में सफल हो गए थे।

रावण के अहंकार का दमन

उन्होंने रावण को युद्ध में परास्त करके उन्हें मुक्ति देने का महान कार्य करके दशमी के दिन को पावन कर दिया। श्रीराम ने रावण के अहंकार को चूर-चूर करके दुनिया के लिए भी एक बहुत मूल्यवान शिक्षा प्रदान की, जिसकी हम सभी को रोजमर्रा के जीवन में बहुत जरूरी है।

श्रीराम ने दी जीने की सीख

श्रीराम की यही सीख मानवीय जीवन में बहुउपयोगी सिद्ध होगी। हमें भी अपने जीवन काल में अहंकार, लोभ, लालच और अत्याचारी वृत्तियों को त्याग कर क्षमारूपी बनकर जीवन जीना चाहिए। भगवान राम की यह सीख बहुत ही सच्ची और हमें मोक्ष प्राप्ति की ओर ले जाने वाली है। यह पावन त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

भारतीय संस्कृति में उत्सवों और त्यौहारों का आदि काल से ही महत्व रहा है। हर संस्कार को एक उत्सव का रूप देकर उसकी सामाजिक स्वीकार्यता को स्थापित करना भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता रही है। भारत में उत्सव व त्यौहारों का सम्बन्ध किसी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र से न होकर समभाव से है और हर त्यौहार के पीछे एक ही भावना छिपी होती है वह है मानवीय गरिमा को समृद्ध करना। भारतवर्ष वीरता और शौर्य की उपासना करता आया है । और शायद इसी को ध्यान में रखकर दशहरे का उत्सव रखा गया ताकि व्यक्ति और समाज में वीरता का प्राकट्य हो सके। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है। आपको बता दें कि दशहरा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के शब्द संयोजन 'दश' व 'हरा' से हुई है, जिसका अर्थ भगवान राम द्वारा रावण के दस सिरों को काटने व तत्पश्चात रावण की मृत्यु रूप में राक्षस राज के आंतक की समाप्ति से है। यही कारण है कि इस दिन को विजयदशमी अर्थात अन्याय पर न्याय की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्र के अंतिम दिन भगवान राम ने चंडी पूजा के रूप में माँ दुर्गा की उपासना की थी और माँ ने उन्हें युद्ध में विजय का आशीर्वाद दिया था। इसके अगले ही दिन दशमी को भगवान राम ने रावण का अंत कर उस पर विजय पायी, तभी से शारदीय नवरात्र के बाद दशमी को विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है और आज भी प्रतीकात्मक रूप में रावण-पुतला का दहन कर अन्याय पर न्याय के विजय की उद्घोषणा की जाती है। इस वर्ष विजयादशमी (दशहरा) पर्व 13 अक्टूबर को मनाया जायेगा।

विजयदशमी के दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे।इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं और रामलीला का आयोजन होता है इसके अलावा रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग की कोई सीमा नहीं रहती। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता है। पूरे भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव मनाया जाता है। इसमें शाम के समय सभी गांव वाले सुंदर-सुंदर नये वस्त्रों से सुसज्जित होकर गांव की सीमा पार कर शमी वृक्ष के स्वर्ण रूपी पत्तों को लूटकर अपने ग्राम में वापस आते हैं। फिर उस स्वर्ण रूपी पत्तों का परस्पर आदान-प्रदान किया जाता है। इसके अलावा मैसूर का दशहरा देशभर में विख?यात है। मैसूर का दशहरा पर्व ऐतिहासिक, धार्मिक संस्कृति और आनंद का अद्भुत सामंजस्य रहा है। यहां विजयादशमी के अवसर पर शहर की रौनक देखते ही बनती है शहर को फूलों, दीपों एवं बल्बों से सुसज्जित किया जाता है सारा शहर रौशनी में नहाया होता है जिसकी शोभा देखने लायक होती है।

मैसूर दशहरा का आरंभ मैसूर में पहाड़ियों पर विराजने वाली देवी चामुंडेश्वरी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ शुरू होता हे विजयादशमी के त्यौहार में चामुंडी पहाड़ियों को सजाया जाता है। पारंपरिक उत्साह एवं धूमधाम के साथ दस दिनों तक मनाया जाने वाला यह उत्सव देवी दुर्गा चामुंडेश्वरी द्वारा महिषासुर के वध का प्रतीक होती है, यानी यह बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। मैसूर के दशहरे का इतिहास मैसूर नगर के इतिहास से जुड़ा है जो मध्यकालीन दक्षिण भारत के अद्वितीय विजयनगर साम्राज्य के समय से शुरू होता है। इस पर्वो को वाडेयार राजवंश के लोकप्रिय शासक कृष्णराज वाडेयार ने दशहरे का नाम दिया। वर्तमान में इस उत्सव की लोकप्रियता देखकर कर्नाटक सरकार ने इसे राज्योत्सव का सम्मान प्रदान किया है। यहाँ इस दिन पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है।

इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

बात करते हैं हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के दशहरा की। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू का दशहरा सबसे अलग पहचान रखता है। यहां का दशहरा एक दिन का नहीं बल्कि सात दिन का त्यौहार है। जब देश में लोग दशहरा मना चुके होते हैं तब कुल्लू का दशहरा शुरू होता है। यहां इस त्यौहार को दशमी कहते हैं। इसकी एक और खासियत यह है कि जहां सब जगह रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण का पुतला जलाया जाता है, कुल्लू में काम, क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार के नाश के प्रतीक के तौर पर पांच जानवरों की बलि दी जाती है। कुल्लू के दशहरे का सीधा संबंध रामायण से नहीं जुड़ा है। बल्कि कहा जाता है कि इसकी कहानी एक राजा से जुड़ी है। यहां के दशहरे को लेकर एक कथा प्रचलित है जिसके अनुसार एक साधु कि सलाह पर राजा जगत सिंह ने कुल्लू में भगवान रघुनाथ जी की प्रतिमा की स्थापना की उन्होंने अयोध्या से एक मूर्ति लाकर कुल्लू में रघुनाथ जी की स्थापना करवाई थी। कहते हैं कि राजा जगत सिंह किसी रोग से पीड़ित था अतः साधु ने उसे इस रोग से मुक्ति पाने के लिए रघुनाथ जी की स्थापना की तथा उस अयोध्या से लाई गई मूर्ति के कारण राजा धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगा और उसने अपना संपूर्ण जीवन एवं राज्य भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया।

एक अन्य किंवदंती अनुसार जब राजा जगतसिंह, को पता चलता है कि मणिकर्ण के एक गाँव में एक ब्राह्मण के पास बहुत कीमती रत्न है तो राजा के मन में उस रत्न को पाने की इच्छा उत्पन्न होती है और व अपने सैनिकों को उस ब्राह्मण से वह रत्न लाने का आदेश देता है। सैनिक उस ब्राह्मण को अनेक प्रकार से सताते हैं अतः यातनाओं से मुक्ति पाने के लिए वह ब्राह्मण परिवार समेत आत्महत्या कर लेता है।

परंतु मरने से पहले वह राजा को श्राप देकर जाता है और इस श्राप के फलस्वरूप कुछ दिन बाद राजा का स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। तब एक संत राजा को श्रापमुक्त होने के लिए रघुनाथजी की मूर्ति लगवाने को कहता है और रघुनाथ जी कि इस मूर्ति के कारण राजा धीरे-धीरे ठीक होने लगता है। राजा ने स्वयं को भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया तभी से यहाँ दशहरा पूरी धूमधाम से मनाया जाने लगा।

कुल्लू के दशहरे में अश्विन महीने के पहले पंद्रह दिनों में राजा सभी देवी-देवताओं को धालपुर घाटी में रघुनाथ जी के सम्मान में यज्ञ करने के लिए न्योता देते हैं. सौ से ज़्यादा देवी-देवताओं को रंगबिरंगी सजी हुई पालकियों में बैठाया जाता है। इस उत्सव के पहले दिन दशहरे की देवी, मनाली की हिडिंबा कुल्लू आती है राजघराने के सब सदस्य देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। रथ यात्रा का आयोजन होता है। रथ में रघुनाथ जी की प्रतिमा तथा सीता व हिडिंबा जी की प्रतिमाओं को रखा जाता है, रथ को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है जहाँ यह रथ छह दिन तक ठहरता है। उत्सव के छठे दिन सभी देवी-देवता इकट्ठे आ कर मिलते हैं जिसे 'मोहल्ला' कहते हैं, रघुनाथ जी के इस पड़ाव सारी रात लोगों का नाचगाना चलता है सातवे दिन रथ को बियास नदी के किनारे ले जाया जाता है जहाँ लंकादहन का आयोजन होता है तथा कुछ जानवरों की बलि दी जाती है।

यहाँ नहीं जलता रावण का पुतला

दशहरे के अवसर पर देशभर में रावण का पुतला जलाया जाता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के प्राचीन धार्मिक कस्बा बैजनाथ में दशहरा के दिन रावण का पुतला नहीं जलाया जाता है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि ऐसा करना दुर्भाग्य और भगवान शिव के कोप को आमंत्रित करना है। यहाँ लोगों का मानना है कि इस स्थान पर रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए वर्षो तपस्या की थी। इसलिए यहां उसका पुतला जलाकर उत्सव मनाने का अर्थ है शिव का कोपभंजन बनना।

13वीं शताब्दी में निर्मित बैजनाथ मंदिर के एक पुजारी ने कहा कि भगवान शिव के प्रति रावण की भक्ति से यहां के लोग इतने अभिभूत हैं कि वे रावण का पुतला जलाना नहीं चाहते।

भारत में शुरू हुआ 5जी युग, प्रधानमंत्री ने लॉन्च की सर्विस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में छठी इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन किया और 5जी सेवाओं की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रगति मैदान में प्रदर्शनी का निरीक्षण भी किया। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जल्द ही लॉन्च होने वाली 5जी सेवाओं के बारे में प्रधानमंत्री को जानकारी दी थी।

Reliance Jio पहले ही Jio 5G सर्विस रोलआउट के लिए एक टाइमलाइन साझा कर चुका है। दूरसंचार ऑपरेटर ने इस साल की शुरुआत में अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 2022 कार्यक्रम में घोषणा की कि वह चरणबद्ध तरीके से 5जी सेवाएं शुरू करेगी। शुरुआत करने के लिए, जियो 5जी सेवाएं दिवाली तक 4 शहरों में शुरू हो जाएंगी, जो इस महीने के अंत में है। इन शहरों में दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई शामिल हैं।

सवाल यह है कि व्द 5उ सेवाएं देश के अन्य हिस्सों में कब पहुंचेंगी? खैर, इसमें कुछ समय लगने वाला है। जैसा कि व्द ने AGM 2022 इवेंट में घोषणा की थी, देश के अन्य हिस्सों को अगले साल तक ही व्द 5जी सेवाओं का स्वाद मिलेगा। कंपनी के प्रमुख ने वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा कि देश भर में Jio 5G सेवाओं का आधिकारिक रोलआउट दिसंबर 2023 तक ही होगा। इसलिए, अगर आपको लगता है कि आपके व्द फोन को आज या कभी भी 5जी तक पहुंच मिल जाएगी, तो ऐसा नहीं होने वाला है।

गौरतलब है कि 4जी की तुलना में 5जी नेटवर्क कई गुना तेज गति देता है और बाधा रहित संपर्क मुहैया कराता है और अरबों जुड़े डिवाइसों को वास्तविक समय में डेटा साझा करने में सक्षम बनाता है। आधिकारिक बयान में कहा गया, "5जी से नये आर्थिक अवसर और सामाजिक लाभ मिल सकते हैं, जिसके कारण यह भारतीय समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति होने की क्षमता रखता है।

यह देश की वृद्धि के लिए पारंपरिक बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा, स्टार्टअप और व्यावसायिक उद्यमों द्वारा नवाचारों के साथ ही 'डिजिटल इंडिया' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। देश की अबतक की सबसे बड़ी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की नीलामी में रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुई थीं। इसमें उद्योगपति मुकेश अंबानी की जियो ने 87,946.93 करोड़ रुपये की बोली के साथ बेचे गए सभी स्पेक्ट्रम का लगभग आधा हिस्सा हासिल किया है।

भारत के सबसे धनी व्यक्ति गौतम अडाणी के समूह ने 400 मेगाहर्ट्ज के लिए 211.86 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। इसका इस्तेमाल हालांकि, सार्वजनिक टेलीफोन सेवाओं के लिए नहीं किया जाता है। वहीं, दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,039.63 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,786.25 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा है।

दूरसंचार कंपनियों के जल्द से जल्द 5जी सेवा चालू करने की तैयारियों में जुटने से भारत आने वाले वक्त में बेहतर डेटा स्पीड और रुकावट मुक्त वीडियो के लिए तैयार हो रहा है। इन सेवाओं के आने के बाद लोगों को स्मार्ट एंबुलेंस से लेकर क्लाउड गेमिंग तक सब कुछ मिलेगा। यहां तक कि खरीदारी के दौरान ग्राहकों को एकदम नए तरह के अनुभव भी हो सकते हैं।

पांचवीं पीढ़ी यानी 5जी दूरसंचार सेवाओं के जरिये कुछ ही सेकंड में मोबाइल और अन्य उपकरणों पर उच्च-गुणवत्ता वाले लंबी अवधि के वीडियो या फिल्म को डाउनलोड किया जा सकता है। यह एक वर्ग किलोमीटर में करीब एक लाख संचार उपकरणों को समर्थन करेगा। यह सेवा सुपरफास्ट स्पीड (4जी से लगभग 10 गुना तेज), संपर्क में होने वाली देरी में कटौती और अरबों संबद्ध उपकरणों को वास्तविक समय में डेटा साझा करने में सक्षम बनाती है। इसके जरिये 3डी होलोग्राम कॉलिंग, मेटावर्स अनुभव और शैक्षिक अनुप्रयोगों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सकता है।

राजस्थान में कांग्रेस सरकार पांच साल पूरे करेगी, अगला बजट युवाओं को समर्पित होगा-अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य की मौजूदा सरकार अपने पांच साल पूरे करेगी और अगला बजट छात्रों और युवाओं को समर्पित होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस (सरकार गिराने के) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंसूबों को कभी पूरा नहीं होने देगी। गहलोत ने बीकानेर में संवाददाताओं से कहा, आपने देखा पहले भी सरकार बच गई और अब भी मजबूत है। हम पांच साल पूरे करेंगे और मैंने कहा है कि आगामी बजट छात्रों और युवाओं को ध्यान में रखकर पेश किया जाएगा।

गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा बार-बार प्रयास करती है कि उनकी सरकार पांच साल पूरे नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'पहले भी भाजपा ने खरीद-फरोख्त की कोशिश की थी, लेकिन हमारे विधायक एकजुट थे और वे नहीं झुके। आपने देखा कि पिछली बार सरकार बच गई और यह अब भी मजबूत स्थिति में है।' गहलोत ग्रामीण

युवा ओलंपिक खेलों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए बीकानेर संभाग के दौरे पर हैं।

उन्होंने राजस्थान के युवाओं, छात्रों और लोगों से उन्हें सीधे अपने सुझाव भेजने की अपील की, ताकि सरकार उनकी इच्छाओं के अनुरूप योजनाएं पेश कर सके। क्या कांग्रेस देश में एक मजबूत विपक्ष देने में वफिल रही है इस सवाल पर गहलोत ने कहा, 'राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से भाजपा के नेतृत्व वाली राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रित गठबंधन) सरकार हलि गई है। शुरुआत में तो भाजपा ने भारत जोड़ो यात्रा की आलोचना की, लेकिन अब उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव भी देश की जनता को एक संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा कब (भाजपा के) अध्यक्ष बने, कोई नहीं जानता। अब कांग्रेस में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव ने देश के लोगों को संदेश दिया है कि कांग्रेस अब भी मजबूत विपक्ष देने की स्थिति में है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में बारिश ने डाला व्यवधान

गुंडलुपेट (कर्नाटक)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही "भारत जोड़ो यात्रा" इन दिनों कर्नाटक में है और बारिश के कारण इस यात्रा में विलंब हुआ। गुंडलूपेट में मूसलाधार बारिश की वजह से यात्रा बाधित हुई। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, यात्रा चामराजनगर जिले के तोंडावाड़ी से सुबह साढ़े छह बजे आगे बढ़नी थी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, "भारत जोड़ो यात्रा बेगुर से सुबह साढ़े छह बजे शुरू होनी थी लेकिन बारिश के कारण इसमें विलंब हो गया है। 15 दिनों के अंतराल के बाद बारिश हुई और इससे किसानों को फायदा होगा। यह निश्चित रूप से वही है जिसके लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यात्रा निकाली जा रही है।" कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तमिलनाडु के गुडलुर से कर्नाटक के गुंडलूपेट पहुंचे। कर्नाटक में यात्रा 21 दिन में 511 किलोमीटर का सफर तय करेगी। कन्याकुमारी से सात सितंबर को शुरू हुई यह यात्रा 30 जनवरी 2023 को जम्मू में संपन्न होगी

कांग्रेस ने बृजलाल खाबरी को यूपी में पार्टी की इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी में इन दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर घमासान जारी है। केएन त्रिपाठी का आवेदन खारिज होने के बाद अब मुख्य मुकाबला मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के बीच ही है। कांग्रेस का नया अध्यक्ष कौन होगा ये तो आगे पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष मिल गया है। बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में आने वाले बृजलाल खाबरी को कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कमान सौंपी है। कांग्रेस ने इस बाबत अधिसूचना भी जारी की है।

दिसंबर 2023 तक हर भारतीय के लिए 5जी लाएगी जियो : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने घोषणा की है कि जियो दिसंबर 2023 तक सभी भारतीयों के लिए 5जी सेवाएं लाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में भारतीय मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2022 के छठे संस्करण को संबोधित करते हुए, अंबानी ने कहा कि जियो यह सुनिश्चित करेगी कि 'दिसंबर 2023 तक हर गांव 5जी सेवाओं का आनंद उठाए, जैसा कि जियो 5जी को रिलीज करने के लिए तैयार है।'

रिलायंस जियो दिवाली तक देश के चुनिंदा शहरों में स्टैंडअलोन 5जी सेवाएं शुरू करेगी। अखिल भारतीय ट्र 5जी नेटवर्क बनाने के लिए, जियो ने कुल 2 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

शुरुआत करने के लिए, जियो चार मेट्रो शहरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 5जी सेवाएं शुरू करेगा।

दिसंबर 2023 तक पूरे देश को कवर करने के लिए इन्हें अन्य शहरों और कस्बों में तेजी से विस्तारित किया जाएगा। अंबानी ने कहा, 'जियो 5जी सेवाएं सभी को, हर जगह और हर चीज को उच्चतम गुणवत्ता और सामर्थ्य के साथ जोड़ेगी। हम चीन और अमेरिका से भी आगे भारत को डेटा-संचालित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' जियो 5जी दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत 5जी नेटवर्क होगा। अन्य ऑपरेटरों के विपरीत, जियो का 5जी नेटवर्क, 4जी नेटवर्क पर शून्य निर्भरता के साथ अकेला होगा।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुए सस्ते

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से लगातार पेट्रोल-डीजन और एलपीजी गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में आम इंसान पर मंहगाई की मार लगातार पड़ रही थी। जहां एक दिन पहले आरबीआई ने रेपो रेट बढ़ाई दूसरे दिन LPG सिलेंडर की कीमत में कमी देखी गयी हैं। एक अक्टूबर को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों (LPG Price) में नहीं बल्कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के रेट में हुई है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की कीमत में आयी कमी से आम इंसान को भा राहत मिलने के आसार हैं। जेट ईंधन (एटीएफ) के मूल्य में 4.5 फीसदी तक की गिरावट आयी।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)